Ans. (c) : कथौड़ी जनजाति मुख्यतः उदयपुर जिले के कोटड़ा, झाडोल एवं सराडा पंचायत समिति में स्थित है। कथौड़ी जनजाति मूल रूप से महाराष्ट्र की जनजाति है। खैर के पेड़ से कत्था बनाने में दक्ष होने के कारण वर्षों पूर्व उदयपुर के कत्था व्यवसायियों ने इन्हें राजस्थान में लाकर बसाया था। कत्था तैयार करने में दक्ष होने के कारण ही यह जनजाति कथौड़ी कहलायी। कथौड़ी समाज का मुखिया नायक होता है।

840. साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रतीक, काज़ी हमीदुद्दीन नागौरी, किस सूफी सिलसिले के थे?

(a) चिश्ती (b) कादिरी
(c) मगरिबी (d) सुहरावर्दी

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (d) : काजी हमीदुद्दीन नागौरी सुहरावर्दिया सिलसिले से संबंधित थे। इनका असली नाम 'शेख मुहम्मद' इब्नेअता था। ये मुहम्मद गोरी के साथ भारत आए थे। इनकी दरगाह नागौर राजस्थान में है।

841. सांसी जनजाति के लोग राजस्थान के किस जिले में मुख्य रूप से पाये जाते हैं?

(a) करौली (b) धौलपुर
(c) अलवर (d) भरतपुर

वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I

Ans. (d) : सांसी जनजाति राजस्थान राज्य के भरतपुर जिले एवं झुझुंनू जिले के कुछ क्षेत्रों में पायी जाती है। सांसी जनजाति का कोई निश्चित व्यवसाय नही है परन्तु अधिकांशतः वे लोग हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योग सम्बंधी कार्य करते है। यह एक खाना बदोश जनजाति है। सांसी की दो उपजातियां बीजा एवं माला है।

842. बीजा और माला उपजातियाँ जनजाति से सम्बद्ध उपजातियाँ हैं?

(a) सांसी (b) भील
(c) डामोर (d) गरासिया

कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा - 2018
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

843. सामाजिक-सहकारी संस्था 'हेलरू' राजस्थान की किस जनजाति से सम्बद्ध है?

(a) सहरिया (b) कंजर
(c) भील-मीणा (d) गरासिया

VDO -09.07.2022
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (d) : सामाजिक-सहकारी संस्था 'हेलरू' राजस्थान की गरासिया जनजाति से प्रचलित है। गरासिया, राजस्थान की तीसरी सबसे बड़ी जनजाति है। गरासिया जनजाति माउंट आबू के अग्नि कुंड से उत्पन्न मानी जाती है। यह अपने आपको चौहानों के वंश का मानती है। गरासिया जनजाति द्वारा वालर नृत्य किया जाता है। गरासिया जनजाति के मुखिया को पटेल या सहलोत कहा जाता है।

844. गरासिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य है-

(a) शंकरिया (b) घुड़ला
(c) पणिहारी (d) वालर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) परीक्षा-2019
पटवार -2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

845. गरासिया जनजाति में गाँव के मुखिया को क्या कहा जाता है?

(a) मुखी (b) पटेल
(c) लदवी (d) कोतवाल

VDO-2021 (Exam Date. 28.12.21) Shift-IV

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

846. सीताबाड़ी मेला मुख्यतः ..... जनजाति से सम्बन्धित है।

(a) गरासिया (b) सहरिया
(c) भील (d) मीणा

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (b) : सीताबाड़ी मेला मुख्यतः सहरिया जनजाति से संबंधित है यह ज्येष्ठ अमावस्या के दिन आयोजित किया जाता है। सीताबाड़ी का यह मेला ऐतिहासिक महत्व रखता है और धार्मिक पशु मेला के रूप में भी पहचाना जाता है। यह जनजाति मुख्यतः बारां जिले के शाहाबाद एवं किशनगंज क्षेत्र में पायी जाती है।इनके गाँव को सहरोल, मोहल्ले को फलां तथा मुखिया को कोतवाल कहा जाता है। इनके द्वारा बिछवा, झेला, शिकारी नृत्य किया जाता था।

847. निम्नलिखित में से कौन सा एक नृत्य सहरिया जनजाति द्वारा नहीं किया जाता है?

(a) बिछवा नृत्य (b) झेला नृत्य
(c) शिकारी नृत्य (d) द्विचक्री नृत्य

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

848. सहरिया जनजाति राजस्थान के किस जिले में निवास करती है?

(a) बारां (b) झालावाड़
(c) बूँदी (d) कोटा

पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

849. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सा तहसील में सहरिया जनजाति का घनत्व अधिकतम है?

(a) धरियाबाद (b) किशनगंज
(c) छबरा (d) मांगरोल

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

850. गोविन्द गुरू ने भीलों एवं गरासियों को किस के माध्यम से संगठित किया?

(a) एकी आन्दोलन (b) जरवा सभा
(c) सम्प सभा (d) मुरिया आन्दोलन

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (c) : गोविन्द गुरू मे भीलों एवं गरासियों को "सम्प सभा' के माध्यम से संगठित किया। 'सम्प-सभा' की स्थापना 1883 ई. में राजस्थान के सिरोही जिले में गोविंद गुरू द्वारा की गयी थी। आदिवासियों को एकजुट करने के लिये गोविन्द गुरू ने 1903 ई. में मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा से गुजरात और मेवाड़ की सीमा पर स्थित मानगढ़ पहाड़ी पर यज्ञ व हवन शुरू किया जो हर वर्ष आयोजित होता है। उसका पहला सत्र 1903 ई. में आयोजित हुआ था। गोविन्द गुरू के अनुयायी भगत कहलाते थे, इसलिये इसे भगत आंदोलन कहा गया।